रक्षा कमानी केजरीवाल

करिअर विशेषज्ञ व सलाहकार
कानपुर
ने इस बार के जवाब दिये हैं

होनहार विद्यार्थी

मेहनत और लगन का नाम योगेश

कक्षा- 11, बी.एस.एस. एजूकेशन सेंटर, काकादेव, कानपुर

उपलब्धियाँ

2009- कंप्यूटर की ऐक्सल नेट प्रतियोगिता 78 प्रतिशत अंकों से पास
2010- अंतर विद्यालय विज्ञान प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
2011-10वीं की परीक्षा में 75 प्रतिशत अंकों से पास

हर समस्या का तुरंत हो निस्तारण

पहली नज़र में स्वभाव से शर्मीले दिखने वाले योगेश पढ़ने में ज़रा भी शर्म नहीं करते हैं। कक्षा में जब भी कोई बात समझ में नहीं आती है, वह तुरंत ही शिक्षक को बीच में रोककर पूछते हैं। उनका मानना है कि पढ़ाई के दौरान छोटी सी छोटी समस्या का तुरंत ही निस्तारण करना चाहिए। अगर उस समय आप ऐसा नहीं करेंगे तो निश्चित है कि वह विषय अथवा बिंदु आपको कभी समझ में नही आयेगा।

आई.आई.टी. है पहली पसंद

मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे योगेश की पहली पसंद आई.आई.टी. है। हो भी क्यों न, अपने पिता की अधूरी इच्छाओं को भी तो पूरा करना है। सपने भले ही अच्छे हैं, लेकिन उन सपनों को पूरा करने के लिए पढ़ाई में मेहनत और समर्पण बेहद ज़रूरी है। यह बात वह बहुत ही अच्छे से जानते हैं। इसके लिए वह रोज़ाना 5 से 6 घंटे अवश्य पढ़ते हैं और अकेले पढ़ना ज़्यादा पसंद करते हैं। वह अपने इस सपने को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं।

कम अंक लाने का है मलाल

उन्होंने 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने के लिए भरसक प्रयास किया। वह कहते हैं कि जब परिणाम आया था, तब निराशा ज़रूर हुई थी। इसके पीछे वह पूरी तरह से अपने आप को ज़िम्मेदार मानते हैं। इसके बाद हँसते हुए कहते हैं कि चलती का नाम ज़िंदगी है। अब वह निराशा को दूर कर फिर से वही सपना लेकर 12वीं की परीक्षा में दिन-रात एक करके पढ़ाई करने में जुटे हुए हैं।

प्रस्तुतिः कानपुर ब्यूरो

रेडियो जॉकी में करिअर

मैं रेडियो जॉकी का कोर्स कर रही हूँ। मुझे बताइये कि मैं किस प्रकार की जॉब कर सकती हूँ। कानुपर और आस-पास के क्षेत्र में इसका क्या भविष्य है? **संध्या सिंह**, कानपुर

उत्तर

रेडियो जॉकी बनकर आप आकाशवाणी (ऑल इण्डिया रेडियो) सहित अन्य स्वतंत्र रेडियो चैनलों में कार्य कर सकते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए दो विकल्प हैं पहला ऑडिशन तथा दूसरा सॉफ़्टवेयर उत्पादन कंपनी के द्वारा। आकाशवाणी हर 3 महीने में विभिन्न महानगरों में रेडियो जॉकी के लिए ऑडिशन लेती है। इसमें चयन की प्रक्रिया अत्यंत प्रतिस्पर्धी होती है। चयन होने के बाद घर में ही सीडी प्लेयर से डिजिटल ऑडियो तकनीक को सीखने का दो महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है। आप अपनी आवाज़ के अनुरूप टीवी के लिए आर.जे. तथा विज्ञापन के लिए आवाज़ का प्रयोग कर सकते हैं। इतना ही नहीं आप ऑडियो पत्रिकाओं और डाक्यूमेंट्री फ़िल्मों में भी अपनी आवाज़ दे सकते हैं। आज के समय में आर.जे. टीवी शो या लाइव शो में भी काम करते हैं। कानपुर में इस समय बहुत से रेडियो चैनल हैं इनमें रेडियो मिर्ची, बिग एफ़एम, ज्ञानवाणी, रेड एफ़एम आदि कई चैनल हैं। जिनमें आप काम कर सकते हैं।

बनना है विशेषज्ञ

मैं रेन वॉटर हार्वेस्टिंग विशेषज्ञ बनना चाहता हूँ। इसके लिए कौन सा कोर्स करना चाहिए और शैक्षिक योग्यता कितनी होनी चाहिए? **रविंद्र कोहली,** जम्मू

उत्तर

इसके लिए आपको विज्ञान विषयों का अध्ययन करना पड़ता है। इसके अलावा आप पर्यावरण इंजीनियरिंग, जियोलॉजी तथा पर्यावरण विज्ञान जैसे विषयों की अध्ययन की ज़रूरत पड़ती है। पर्यावरण इंजीनियरिंग और सिद्धांतों की मदद से प्राकृतिक पर्यावरण जैसे हवा, पानी और भू-संसाधनों में सुधार और अन्य हानिकारक जीवों से मुक्ति दिलाकर मानव बस्तियों को शुद्ध हवा तथा पानी उपलब्ध कराना है। इसमें अपशिष्ट जल प्रबंधन, वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना, रिसाइक्लिंग, विकिरण सुरक्षा, औद्योगिक स्वच्छता, पर्यावरणीय स्थिरता, सार्वजनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण इंजीनियरिंग ज्ञान भी शामिल है। कुछ संस्थान हैं जो पर्यावरण इंजीनियरिंग और विज्ञान में कोर्स कराते हैं, उनमें जेएनयू, नयी दिल्ली, पूना विश्वविद्यालय, पुणे, आईआईटी कानपुर, खड़गपुर, जादवपुर विवि प्रमुख हैं। इससे जुड़ी ज़्यादातर जानकारी आप www.cseindia.org पर प्राप्त कर सकते हैं।

आई.ए.एस. परीक्षा का पैटर्न

क्या आई.ए.एस की प्रांरभिक परीक्षा का प्रारूप बदल गया है। यदि हाँ तो वह कैसा होगा। इसके अतिरिक्त आई.ए.एस परीक्षा के बारे में पूरी जानकारी भी दीजिये? **हर्षवर्धन,** देहरादून

उत्तर

आई.ए.एस. बनने के लिए अब सिविल सेवा योग्यता परीक्षा (सी.एस.ए.टी.) जो कि संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) का ही नया प्रारूप है, को पास करना ज़रूरी है। 2011 से यह सिविल सेवा योग्यता परीक्षा के रूप में जाना जाता है। सी.एस.ए.टी. उन उम्मीदवारों का चुनता है जो सिविल सेवा की मुख्य परीक्षा को पास कर लेता है। नये परीक्षा प्रारूप के तहत होने वाली परीक्षा में सबके लिए एक ही पैटर्न होगा। इससे सभी प्रतिभागियों को समान मौका मिलेगा। इस परीक्षा में एक समान अंकों के दो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पत्र होंगे। बदले प्रारूप के तहत उम्मीदवारों के चयन के लिए सामान्य ज्ञान को अच्छे से तैयार करना होगा। इसके अलावा स्थिति उन्मुख, विश्लेषणात्मक प्रश्नों के साथ ही मानसिक क्षमता का परीक्षण भी होगा। सी.एस.ए.टी. 2012 की परीक्षा में भाग लेने हेतु अंतिम तारीख पाँच मार्च 2012 है तथा परीक्षा की तिथि 20 मई 2012 है।

एम.एस.सी. या...

मैंने बी.एस.सी किया है और बी.एड कर रहा हूँ। इसके बाद मेरे लिए बेहतर विकल्प क्या है। मैं एम.एस.सी. करूँ या एम.एड.? **हरवंस कौर**, रामपुराफुल

उत्तर

आप एम.एड. करने का विकल्प चुन सकते हैं। अगर आप विषय के विशेषज्ञ बनना चाहते हैं और विज्ञान विषयों में अनुसंधान के क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो एम.एस.सी. कर सकते हैं। इन दिनों इस क्षेत्र में परास्नातक के लिए बहुत विकल्प हैं। आप शिक्षक की भूमिका में अच्छा प्रदर्शन करते हुए अच्छे वेतन की सरकारी नौकरी पा सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में करिअर विकल्प के तहत एम.एड. कोर्स के लिए देख सकते हैं। शैक्षिक प्रबंधन, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, शिक्षा और गाइडेंस परामर्श, भाषा शिक्षा, शिक्षक-शिक्षा, आदि के अंतर्गत प्रतिष्ठित नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। इस क्षेत्र में स्नातक छात्रों की तुलना में परास्नातक छात्रों को ज़्यादा तरज़ीह दी जाती है।

अफ़सर बनना है

मैं वायु सेना या थल सेना में अधिकारी बनना चाहता हूँ। इसकी क्या प्रक्रिया है तथा इसके लिए शैक्षिक योग्यता क्या है? **आशीष चौबे,** इलाहाबाद

उत्तर

वायु सेना और सेना में अफ़सर बनने के लिए आपको एन.डी.ए. और सी.डी.एस. पास करनी होगी। दोनों परीक्षाएँ संघ लोक सेवा आयोग आयोजित करता है। एन.डी.ए. के लिए कक्षा 12 उत्तीर्ण होना चाहिए। इसमें वायु सेना एवं नौ सेना के लिए कक्षा 12 में गणित व भौतिकी विषय के रूप में होना आवश्यक है। अधिकतम आयु सीमा 19 वर्ष है। एन.डी.ए. परीक्षा वर्ष में दो बार अप्रैल और अगस्त माह में होती है। वहीं सी.डी.एस. परीक्षा के द्वारा भारतीय सेना में जाने के लिए आपके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संबंध से प्राप्त डिग्री अवश्य होनी चाहिए। भारतीय नौसेना तथा वायुसेना में जाने के लिए भौतिक और ग़णित से बी.एस.सी. होना या इंजीनियरिंग की डिग्री होनी आवश्यक है। इसके लिए उम्र सीमा 19 से 24 वर्ष होनी चाहिए तथा इसकी परीक्षा फ़रवरी तथा सितंबर माह में होती है।